वर्ष: 4, अंक: 8

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

हिन्दी (मासिक), अगस्त- 2016 , सिरोही, पृष्ठ: 6 , मूल्य : 7.50 रुपए

शिव आमंत्रण

लाल किले से हुआ राजयोग का उद्घोष

140 देशों में हजारों कार्यक्रमों का आयोजन

दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया भर में लोगों ने योग के साथ राजयोग कर आत्मा और शरीर की सम्पूर्ण स्वास्थता के लिए संकल्प लिया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से भारत ही नहीं बल्कि विश्व के 140 देशों में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पिछले 80 वर्षों से लाखों लोगों को राजयोग सीखाकर श्रेष्ठ जीवन के लिए प्रेरित कर रहा है।

40 हजार लोगों ने किया योग के साथ राजयोग

कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि राजयोग एक ऐसी विधि है जिसे चलते फिरते, उठते बैठते और हर कर्म करते कर सकते हैं। जब ऐसी स्थिति होगी तब हमारी आत्मा सतोप्रधान बनेगी। लाल किले से राजयोग का जयघोष करते हुए उन्होंने विश्व शांति तथा सबके मंगल की कामना की।

सांकेतिक कमल फूल आसन पर विराजमान 108 तपस्वी बहनों ने अपने गहन ध्यान से पूरे विश्व में शांति एवं सदभावना की कामना की। साथ ही हजारों लोगों को भी प्रेरित किया।

विश्व योग दिवस

दिल्ली के लाल किले पर ब्रह्मा कुमारीज संस्थान की ओर से द्वितीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में देशभर की संख्या में संस्था से जुड़ी युवा तपस्वी बहनें कमल फूल आसन पर विश्व शांति एवं सदभावना के लिए राजयोग करती हुई। इसमें चालीस हजार लोग भाग लिए।

शिव आमंत्रण, लाल किला, दिल्ली। दिल्ली के लाल किले पर ब्रह्मा कुमारीज संस्थान की ओर से दिल्ली तथा आसपास संस्था से जुड़े चालीस हजार लोगों ने राजयोग कर पूरे विश्व में शांति एवं सदभावना की कामना की। कार्यक्रम में विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान के अध्यक्ष डॉ. नागेन्द्र, जुदा हयाम स्यांगो के मुख्य प्रिस्ट इसा मालेकर, बहाई के राष्ट्रीय ट्रस्टी डॉ. एके मरचेन्ट, अन्तर्राष्ट्रीय बुद्ध संघ के महासचिव लामा लोबजंग, धार्मिक सदभाव आयोग के निदेशक एम डी थॉमस, मुस्लिम नेता डॉ. फिरोज अहमद भक्त, संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, सूचना निदेशक बीके करुणा समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में प्रात: काल से ही हजारों लोगों का हुजुम उमड़ने लगा था। इतनी भारी संख्या में होने के बावजूद भी चारो ओर शांति का माहौल था। हर तरफ बस शांति की प्रकम्पन। ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन तथा ओम शांति रीट्रिट सेन्टर की निदेशिका बीके आशा ने कहा कि गीता को सर्वशास्त्रमई शिरोमणी कहते है। योग सिखानेवाला और ज्ञान देनेवाला परमपिता भी एक ही है। आत्मा का परमात्मा से मिलना माना योग। इसके लिए परमात्मा को जानना जरूरी है। पांच हजार वर्ष पहले भी उसने यह योग सिखाया था, अब फिर सिखा रहा है।

इस अवसर पर साध्वी डॉ. सरिताजी महाराज, दिल्ली ने कहा कि आनंद की प्राप्ति मानव का नैसर्गिक स्वभाव है। हमारी चित्तवृत्तियों को निवृत्ति देने के लिए, हमारा जीवन आनंद और शांति से भरपूर करने के लिए, सब चिंताओं से मुक्त होने के लिए अगर आज दुनिया मे कुछ शक्तिशाली है तो वह राजयोग है। आनंद प्राप्त करना है, सच्ची शांति प्राप्त करनी है तो योग करना ही होगा।

दिल्ली के मुस्लिम नेता डॉ. फिरोज अहमद भक्त ने कहा कि जहां तक इस्लाम का ताल्लुक है योग का कोई टकराव नही। ओम के अंदर आ भी है और मा भी है। आ का मतलब अल्ला और मा का मतलब मोहम्मद है। ओम मे दोनो बाते है तो काहे का टकराव। इस्लाम मे जो तसव्वुफ लिखा है वह राजयोग ही है।

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ, दिल्ली के महासचिव लामा लोबजंग के अनुसार विश्व शांति के लिए योग का माध्यम अत्यंत महत्वपूर्ण है। योग द्वारा मन को नियंत्रण मे ला सकते है। राजयोग से ही आंतरिक स्थिति मजबूत होगी। इसका प्रयास जरूरी है।

राष्ट्रीय ट्रस्टी, बहाई, दिल्ली डॉ. ए. के मर्चेन्ट ने योग का सम्बन्ध सन्तुलन और अनुशासन से बताया। जीवन मे अनुशासन और संतुलन है तो शांति की स्थापना हो सकती है। यह सब सम्भव होगा राजयोग से।

एक दूसरे को जोड़ने का कार्य करता है योग

खुद से, खुदा से, तथा दूसरों से जोड़ने का काम करता है योग। इससे बनने वाले रिश्ते की डोर हमेशा मजबूत होती है। जीवन के उस अनुशासन मे संतुलन है और उस संतुलन से शान्ति यूंही उभर आती है। यह संतुलन एक व्यक्ति तक नहीं रहता लेकिन व्यक्ति , समुदाय फिर देश के बीच निर्माण हो सकता है।

- एम डी थामस, निदेशक, राष्ट्रीय धार्मिक सद्भाव आयोग, दिल्ली

नेशनल कौन्सिल ऑफ टीचर एज्युकेटर के द्वारा हर साल तेरा लाख लोग प्रशिक्षित होते है। उन सब के लिए अब एचआरडी मंत्रालय ने योग जरूरी बना दिया है। योग सिर्फ शारिरीक व्यायाम नही है परन्तु इसमे योग, नियम, प्राणायाम, प्रत्याहार, आसन, धारणा, ज्ञान समाहित होता है। ब्रह्माकुमारी संस्था इस विधि को आगे बढ़ा रही है। निश्चित तौर पर एक दिन इसका प्रभाव निकलेगा।

- डा नागेन्द्र, अध्यक्ष, विवेकानन्द अनुसंधान संस्थान, दिल्ली

योग का किसी भी धर्म से संबंध नही है। यहुदी हो, कोई भी हो हम प्रार्थना करते है तो उसमे योग आ जाता है। राजयोग से सकारात्मक जीवनशैली, करुणा है, सहिष्णुता है, विश्वबंधुत्व है, सहनशीलता आ जाती है। काम, क्रोध आदि विकार दूर हो जाते है।

- इसा मालेकर, प्रिस्ट, स्यांगो जुदा हयाम, दिल्ली

खुद से जोड़ता है योग : मोदी

योग कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बीके शिवानी तथा अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ चंडीगढ़

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चण्डीगढ़ में भी विशाल योग शिविर लगा जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि योग खुद से जुड़ने की प्रक्रिया है। इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। यह एक विज्ञान और अध्यात्म है। इससे खुद को जानने का अवसर मिलता है। इसलिए यदि प्रतिदिन कोई योग करे तो उसे जीवन में स्वस्थ रखने की बिना पैसे की जीवन बीमा की पालिसी मिल जायेगी। उन्होंने लोगों से बढ़चढ़कर भाग लेने पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ आयुष मंत्री यशोपद नायक, पंजाब के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, ब्रह्माकुमारीज संस्थान की जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी, डा नागेन्द्र, गायत्री पीठ के प्रभारी डा. प्रणव पंडया, चण्डीगढ़ की सांसद किरण खेर समेत कई लोग उपस्थित थे।

योग बढ़ाता है आंतरिक शक्ति : राजनाथ

शिव आमंत्रण, लखनऊ। लखनऊ के खेड़ी बाबूसिंह स्टेडियम में भी योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भारत के गृहमंत्री राजनाथ सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इसमें संस्थान को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था। जिसमें लखनऊ की गोमतीनगर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके राधा समेत बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर भारत के गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा समग्रता, सामंजस्य, सन्तुलन यही योग के मूलतत्व है। हमारे भारतीय संस्कृति की यह विरासत है। यह योग तन को स्वस्थ बना सकता है और मन को नियंत्रित रख सकता है। मनुष्य की आंतरिक शक्ति बढ़ाने की अद्भुत क्षमता इस योग में है। कार्यक्रम के दौरान बीके राधा ने कुछ समय योगाभ्यास कराया तथा राजयोग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। **गृहमंत्री ने किया बीके राधा को सम्मानित:** इस मौके पर गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने संस्था की सेवा गतिधियों की जानकारी ली तथा बीके राधा को मोमेंटो तथा प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित भी किया।

बीके राधा को मोमेंटो देते गृहमंत्री राजनाथ सिंह।

सद्भावना दौड़ में दिखा युवा जोश

दादी गुलजार तथा पद्मश्री पूर्व धावक मिल्खा सिंह मिनी मैराथन दौड़ को संबोधित करते हुए।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय योग दिवस की कड़ी में केंद्रीय आयुष मंत्रालय, केंद्रीय युवा और खेल मंत्रालय तथा भारत स्थित संयुक्त राष्ट्रसंघ सुचना केंद्र की सहभागिता में इंडिया गेट राजपथ से 'शांति और एकता के लिए योग रन ' मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली तथा आसपास के हजारों लोगों ने भाग लिया तथा पूरे विश्व में शांति एंव सदभावना का संदेश दिया गया। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री बंडारू दत्तात्रेय, भारत के सुप्रसिद्ध धावक पद्मश्री मिल्खा सिंह तथा केंद्रीय युवा और खेल मंत्रालय सचिव राजीव गुप्ता ने शाम को इंडिया गेट राजपथ से झण्डा हिलाकर इस मिनी मैराथन का शुभारम्भ किया।

इस योगा रन में नेहरू युवा केंद्र, नेशनल सर्विस स्कीम, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, पतंजलि योग पीठ, लायन्स क्लब तथा ब्रह्माकुमारीज् संस्था के युवा प्रभाग के पांच हजार से अधिक युवाओं एवं अन्य आमंत्रित नागरिकों ने भाग लिया। मैराथन कार्यक्रम के शुभारम्भ में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि योग न

.....शेष पेज 2 पर

योगा रन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शांति और सद्भावना के लिए दौड़ लगाते लोग।

प्रथम महिला फाइटर पायलट भावना कंठ का सम्मान

शिव आमंत्रण, मथुरा। भारतीय वायुसेना की प्रथम महिला फाइटर पायलट भावना कंठ का भव्य सम्मान समारोह ब्रहमाकुमारीज के गोपालपुरा सेवाकेंद्र पर आयोजित किया गया। पहली बार वायुसेना ने जिन तीन महिला फायटर पायलटों को भर्ती किया है उनमे भावना कंठ के साथ मोहना सिंह और अवनी चतुर्वेदी भी है।

.....शेष पेज 2 पर

बीके निर्वैर को भारत गौरव अवार्ड

शिव आमंत्रण, लंदन/आबू रोड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महासचिव राजयोगी बीके निर्वैर को लंदन के हाउस ऑफ कामन्स ब्रिटिश पार्लियामेंट में भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। यूके के मंत्री बोरोनस संदीप वर्मा तथा प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृति युवा संस्थान के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा समेत कई नामचीन हस्तियों ने प्रदान किया। यह अवार्ड बीके निर्वैर की अनुपस्थिति में शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत ने ग्रहण किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय समारोह में हाउस आफ लार्डस के सदस्य तथा यूके स्टेट फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट के पार्लियामेंटरी अंडर सेक्रेटरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में अवार्ड प्राप्त करने गये बीके भरत ने कहा कि यह गौरव की बात है कि यह संस्थान लगातार पूरे विश्व में सकारात्मक कार्यों को बढ़ावा दे रहा है। ज्ञात हो कि राजयोगी ब्रह्माकुमार निर्वैर 60वर्ष पूर्व नेवी की नौकरी छोड़ मानवता की सेवा में समर्पित हो गये। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया जिसके तहत उन्हें यह अवार्ड दिया गया। वे वर्तमान समय में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के महासचिव, ग्लोबल हास्पिटल के मैनेजिंट ट्रस्टी तथा संस्थान के मैनेजमेन्ट एवं गवर्निंग बाडी के सदस्य है।

सम्मान

लंदनः ब्रिटिश पार्लियामेंट में भारत गौरव अवार्ड लेते बीके भरत।

एक मुलाकात

नारी जाति का उत्थान ही विश्व के नवनिर्माण का माध्यम : कोठारी

संस्था प्रमुख दादी जानकी से वार्तालाप के दौरान गुलाब कोठारी।

शिव आमंत्रण ■ आबू रोड

माउण्ट आबू प्रवास पर आये राजस्थान पत्रिका के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी ने संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी से मुलाकात की। काफी देर तक मुलाकात में उन्होंने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि यहाँ से जो नारी जाति को शक्ति के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है इससे ही श्रेष्ठ समाज बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि संस्था के द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के की जो सेवा हो रही है वह काफी सराहनीय है। यहाँ नारी जाति में जो उच्च विचारों और आध्यात्मिकता का विकास किया जा रहा है वह पूरे विश्व में एक नये आयाम स्थापित करने में बहुत मददगार साबित हो रहा है। भविष्य में इसी नारी शक्ति के माध्यम से नई सृष्टि का पुनर्स्थापना अवश्य होगा। उन्होंने कहा कि नारी चाहे तो समाज बदल सकती है। क्योंकि नारी में ही वह शक्ति है जो दुनिया को बदल सकती है। कोठारी ने संस्था के महासचिव बीके निर्वैर से भी मुलाकात की तथा वेदों पर लिखी गयी पुस्तक भी भेंट की। साथ ही इसे मूल्यनिष्ठ पाठक्रमों में शामिल करने पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, जनसम्पर्क अधिकारी तथा शिव आमंत्रण के सम्पादक बीके कोमल, पत्रिका के जोधपुर क्षेत्र के प्रबन्धक सुचित भण्डारी, पाली के स्थानीय सम्पादक रमेश शर्मा ने भी दादी से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया।

महिला अपनी शक्ति को पहचाने-चौधरी

स्टैंडिंग कमेटी ने किया संस्थान का अवलोकन

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

समाज का निर्माण महिलाओं ने किया है। महिलायें समाज बदलने में सक्षम है बशर्ते वे अपनी शक्ति को पहचाने। नारी चाहे तो घर को स्वर्ग बना सकती है। इसके लिए उन्हें मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। उक्त उदगार कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्लियामेंट स्टेडिंग कमेटी की चेयरमैन रेणुका चौधरी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन मे महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी।

सभा को सम्बोधित करते रेणुका चौधरी, सभा में उपस्थित लोग।

उन्होंने कहा कि आज समाज के लोग पढ़े लिखे होने के बाद भी विज्ञान के साधनों का उपयोग करने के बजाए दुरूपयोग करते हुए गर्भ में ही भ्रूण हत्या कर देते है। इससे पूरी मानवता कलंकित होती है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान एक ऐसा संस्थान है जो महिलाओं को सम्मान से जीना सीखा रही है। हजारों की संख्या में महिलायें ही इसका संचालन कर रही है यह सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि महिलाओं को आगे आकर खुद को इतना मजबूत बनाये कि वह समाज की विभिन्न परिस्थितियों का सामना कर सके। इसके लिए महिलाओं को अन्दर से सशक्त और शक्ति स्वरूप बनने की आवश्यकता है। हमारी संस्थान का संचालन ही बहनें करती है जहाँ हजारों लाखों की संख्या में लोग आकर अपनी जिन्दगी बना रहे हैं।

उड़ीसा के राज्यसभा सदस्य भूपिन्दर सिंह ने कहा कि मैं करीब कई वर्ष पहले यहाँ आया था और इस संस्थान से जुड़ने के बाद जीवन एक तरह से बदलने लगता है। महिलायें जिस तरह से पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रचार प्रसार कर रही है वह काबिले तारीफ है। महिलायें ही है जो समाज को बदल सकती है।

उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती से लोकसभा सांसद ददन मिश्रा ने कहा कि आज पूरे विश्व में इस संस्था के कार्यों की सराहना हो रही है। व्यक्तिगत रूप में मूल्यों को विकसित करने की प्रेरणा देती है। यह अपने आप में किसी अजूबे से कम नहीं है। नागपट्टनम के सांसद के गोपाल, छत्तीसगढ़ के सांसद विक्रम उसेंडी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

दादी से की मुलाकात: इसके पश्चात अध्यक्ष रेणुका चौधरी समेत सभी सांसदों ने दादी जानकी से मुलाकात की। इसके पश्चात सोलार पावर प्लांट, रसोईघर देखकर अभिभूत हो गये।

कार्यक्रम में संस्था के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, जयपुर सबजोन प्रभारी बीके सुषमा, बीके हंसा समेत कई लोग उपस्थित थे।

तन्दुरूस्त बनाने में राजयोग की भूमिका महत्वपूर्ण : चहल

दीप प्रज्ज्वलन से योगा दिवस का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, सिरसा। हरियाणा में सिरसा के शांति सरोवर सेवाकेंद्र द्वारा वेलकम पैलेस में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास एवं राजयोग ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम परमजीत सिंह चहल, एक्साईज एण्ड टैक्सेशन कमिशनर बीके आर के सैनी, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रितपाल सिंह, पतंजलि योग समिति के जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल, सेवाकेंद्र संचालिका बीके बिन्दु, बीके रानी तथा बीके वनीता उपस्थित थी। इस अवसर पर परमजीत सिंह चहल ने कहा कि आज फिजिकल एक्सरसाईज के प्रति लोगों में काफी जागृति आ रही है लेकिन इसके साथ-साथ मन को भी एक्सरसाईज की बहुत आवश्यकता है। जिस प्रकार से शरीर को योगा के माध्यम से स्वस्थ रखा जा सकता है, ठीक उसी प्रकार से संस्था द्वारा सिखाये जाने वाले राजयोग के माध्यम से मन को भी स्वस्थ रखा जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का महत्व बताते हुए बीके बिन्दु ने कहा कि आमजन को योग के प्रति जागृत करने के लिये 21 मई से 21 जून तक सभी के लिये योग शिविर का सेवाकेन्द्र पर आयोजन किया गया है ताकि सभी लोग इसका पूरा लाभ ले सके। इस अवसर पर बीके वनीता ने राजयोग का अभ्यास कराया और पतंजली संस्था के चन्द्रपाल ने सभी को शारीरिक योगाभ्यास कराया।

राजयोग जीवन के हर पल को उमंग से भर देता है : वनसिया

भरूचः अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यकम में उपस्थित लोग

शिव आमंत्रण, भरूच। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आओ सीखें राजयोग विषय पर गुजरात भरूच के झाडेश्वर में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ राज्य के पूर्व वन एवं शहरी विकास मंत्री खुमानसिंह वनसिया, नगरपालिका अध्यक्ष आर वी पटेल, भरूच सबजोन संचालिका बीके प्रभा, बीके सुमन ने दीप जलाकर किया। इस अवसर शहर विकास मंत्री खुमानसिंह वनसिया ने कहा कि विषम से विषम परिस्थिति में भी जीवन को सरलता पूर्वक जीने के लिए योग अति आवश्यक है। संस्था द्वारा सिखाया जाने वाला राजयोग जीवन के हर पल को असीम उमंग से भर देता है। जीवन जीने का अदांज राजयोग के अभ्यास से सिखा जा सकता है। खुद तंदुरुस्त बनेंगे तो समाज जीवन तंदुरूस्त बनेगा। कार्यक्रम के दौरान बीके प्रभा ने कहा, गीता में प्राचीन राजयोग का वर्णन ज्ञानयोग, राजयोग व सहजयोग के नाम से है। परमात्मा से बुद्धि योग लगाकर ही हम गुणमूर्त और शक्ति संपन्न बन सकते हैं और परमात्मा को जानकर उनसे बुद्धियोग लगाना ही वास्तविक योग है। अंत में हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों को कॉमेंट्री द्वारा योगाभ्यास कराया गया।

अमृतसरः अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस राजयोग करती बीके राज तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें, इस अवसर पर गांव मे रैली भी निकाली गई।

विचारों की शुद्धता देती है सर्वोत्तम सुरक्षा

शिव आमंत्रण ■ भरतपुर

राजस्थान भरतपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में योग दिवस के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किया गया। जिसमें मानसिक योगाभ्यास के लिए ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर पर्यटन मंत्री कृष्णेंद्र कौर, बीके बबिता, एस पी राहुल प्रकाश, महापौर शिव सिंह भट्ट, जिलाधिकारी विथंबर लाल मीणा, कर्नल जवाहर सिंह समेत कई प्रतिष्ठित लोग शामिल रहे।

बीके बबिता ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में असुरक्षा बढ़ती ही जा रही है। ये असुरक्षा मानव मन से पैदा हुए कलुषित

राजयोगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित पर्यटन मंत्री कृष्णेंद्र कौर।

विचारों का ही परिणाम है। बाहरी व्यवस्था भी मन की अवस्था पर निर्भर करती है। अगर मन सुन्दर, शुद्ध विचारों से भरा है तो बाहरी वातावरण भी शान्त और निर्भिकता वाला बन जाता है। आज शारीरिक योग के साथ-साथ मन को शुद्ध करने के लिये राजयोग का ज्ञान होना जरूरी है। इसी राजयोग के माध्यम से एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण हो सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी में योग को जानने के प्रति उमंग उत्साह देखने को मिला। अंत में जिलाधिकारी मीणा ने बीके बहनों का आभार व्यक्त किया। बीके बहनों ने मेहमानों को ईश्वरीय

राजयोग से ही सम्भव है सामाजिक बदलाव : पटेल

शिव आमंत्रण ■ असन्ध

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के नई टिहरी बौराडी में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्षा सोना सजवाण, कार्यक्रम अध्यक्ष मोहन पटेल, दिल्ली 7 सीज होटल मालिक पूर्ण चन्ड डांग, सी. आई. एस. एफ. के डिप्टी कमान्डेट सुरेन्द्र कुमार, बीके मेहरचन्द, बीके पूनम, बीके अनिता, बीके प्रीति, बीके ममता, बीके सरिता, राजेन्द्र जैन सहित काफी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि सोना सजवाण ने कहा, कि अगर समाज से बुराईयाँ मिटाकर सद् व्यवस्था स्थापित करने का कोई तरीका है तो वह है सहज राजयोग को अपनी दिनचर्या में शामिल करे। उन्होंने कहा कि मैं अपने आप को खुशनसीब मानती

असन्धः अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते अतिथी

हूँ जो मुझे यहाँ आने का मौका मिला।

अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि आज जिस तरह से व्यसन और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है उसमें राजयोगी जीवनशैली को अपनाया जाये तो बहुत ही सहजता से इन बुराईयों से मुक्त हुआ जा सकता है।

धर्मगुरू पेडा जी महाराज को दिया मुख्यालय आने का निमंत्रण: असन्ध के वरिष्ठ बीके मेहरचन्द ने सर्व धर्मगुरू पेडा जी महाराज से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान बीके मेहरचन्द ने पेडा जी महाराज को ईश्वरीय ज्ञान से अवगत करवाया तथा संस्था द्वारा की जा रही सामाजिक सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। इस मुलाकात के दौरान उन्हे संस्था के मुख्यालय में आने का निमंत्रण दिया तथा संस्था की सेवाओं का दर्पण शिव आमंत्रण समाचार पत्र भी भेंट किया।

संस्था योग के प्रति जनमानस में जागृति ला रही हैः टण्डन

शिव आमंत्रण ■ रायपुर

आज योग के प्रति हर व्यक्ति में जागृति आ रही है। इस विषय में संस्था का सहयोग सराहनीय है। यहाँ मानवीय मूल्यों को भी हर मनुष्य के जीवन में उतारने का कार्य किया जा रहा है। उक्त विचार योग दिवस के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ के रायपुर सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित योग महोत्सव में राज्यपाल बलराम दास टण्डन ने व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में रायपुर की क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला, इन्दौर जोन की क्षेत्रीय संयोजिका बीके हेमलता सहित अनेक गणमान्य भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल बलराम दास टण्डन ने कहा कि भारत की बहुत बड़ी देन है योग। अत: हमें भी इसे महत्व देना चाहिए। बीके कमला ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा

योग कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल बलराम दास टण्डन और प्रबुद्ध नागरिक।

कि राजयोग हमें हर विपरीत परिस्थिति में शांत रहना सिखाता है। वर्तमान समय में सबसे ज्यादा जरूरत इसी राजयोग को दिनचर्या में शामिल करने की है। अंत में बीके रश्मि ने योगाभ्यास करवाकर सभी को शांति की अनुभूति कराई।

नरकटियागंज स्टेशन पर दिया नशामुक्ति का संदेश

शिव आमंत्रण, नरकटियागंज। बिहार के पश्चिम चम्पारण नरकटियागंज में रेल्वे स्टेशन पर रेल्वे, एस.एस.बी और ब्रहमाकुमारीज़ द्वारा नशा मुक्ति पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में बीके सदस्य, एसएसबी जवान और शहर के गणमान्य व्यक्ति ने स्लोगन लिखे हुए पॅम्पलेट लेकर शहर में रैली निकालकर नशामुक्ति का संदेश दिया।

अभियान

समस्तीपुर में योग दिवस पर आठ दिवसीय अभियान

खुद के प्रति सकारात्मक चिंतन करें, दूसरों को नहीं देखें

शिव आमंत्रण ■ समस्तीपुर

बिहार के समस्तिपुर सेवाकेंद्र पर संस्था के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 8 दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ उद्योगपति राम गोपाल सुरेका, सुधा डेयरी के प्रबंध निदेशक डीके श्रीवास्तव, जिला ड्रग एसोसियेशन के अध्यक्ष विनोद राय, मुंबई से जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके दीपा,

समस्तीपुर कलेक्ट्रेट में सभा को सम्बोधित करती जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके दीपा।

बीके जागृति, सेवाकेंद्र संचालिका बीके अरूणा ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर बीके दीपा ने राजयोग द्वारा तनावमुक्त रहकर विपरीत परिस्थियों में भी कार्य को कुशलतापूर्वक करने की जानकारी दी। साथ ही अन्य सदस्यों ने योगा और राजयोग के अंतर को स्पष्ट किया। इस अभियान के दौरान समस्तिपुर के कलेक्टरेट में भी तनावमुक्त विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें एडीएम संजय उपाध्याय, आपदा प्रबंधन के एडीएम गौतम पासवान, बीके दीपा समेत कलेक्टरेट के अनेक अधिकारीगण उपस्थित थे। इस मौके पर बीके दीपा ने तनाव से मुक्त बनने के लिए स्व के प्रति सकारात्मक चिंतन करने तथा दूसरों को न देखने की सलाह दी। वही अतिथियों ने संस्था का आभार व्यक्त कर सभी को राजयोग अभ्यास सीखने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय विशेष

पनवेल में राजयोगाभ्यास का आयोजन

पनवेल मे राजयोग का अभ्यास करते राजयोगी।

शिव आमंत्रण, पनवेल। महाराष्ट्र के पनवेल सेवाकेंद्र द्वारा कलंबोली गार्डन में सामुहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवाकेंद्र संचालिका बीके तारा ने कहा कि योग से न केवल हम स्वस्थ बनते हैं बल्कि प्रकृति भी शुद्ध बनती है इसलिए योग दिवस के दिन हम संकल्प करें कि राजयोग के अभ्यास को हम दिनचर्या में शामिल करेंगे।

विचार ही करते है स्वभाव का निर्माण

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गुरुग्राम - हरियाणा के डीएलएफ फेज 2 सेवाकेंद्र पर हारमनी विद् नेचर विषय पर

योग दिवस पर राजयोग का गहन अभ्यास करते योगी।

संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली के आर.के.पुरम सेवाकेंद्र संचालिका बीके अनीता, राजयोग शिक्षिका बीके ज्योति, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका बीके कुसुम उपस्थित थी। इस मौके पर बीके ज्योति ने कहा कि हम जैसे विचार करते है वैसा हमारा स्वभाव बन जाता है इसलिए अच्छे व सकारात्मक विचार करे। अच्छे विचार हमारे जीवन को ऊँचाईयों पर ले जाते है और दूसरों के प्रति सहयोगात्मक बनाते है।

राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू भी रूबरू हुई राजयोग से

शिव आमंत्रण, रांची। झारखंड रांची के बिरसा मुंडा मंडप ऑडिटोरियम में अन्तर्राष्टीय योग दिवस मनाया गया। जिसमे ब्रहाकुमारीज को आमंत्रित किया गया। झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, रांची सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला सहित राजभवन के अनेक अधिकारियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी को ओम ध्वनि के साथ शारीरिक योगाभ्यास कराया गया तथा राजयोग के महत्व से अवगत करवाकर इसे दिनचर्या में लाने के लिये प्रेरित किया।

नेपाल के उपप्रधानमंत्री से मुलाकात

नेपाल के उपप्रधानमंत्री कमल थापा को ईश्वरीय सौगात भेंट करतीं बीके मेनका, बीके ज्योति।

शिव आमंत्रण, काठमांडू। भारत के साथ विदेशों में भी योग की लहर फैली हुई है। नेपाल सरकार द्वारा भी एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री के पी ओली, उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री कमल थापा समेत नेपाल के कई प्रशासनिक अधिकारियों व प्रख्यात लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर बीके मेनुका, बीके ज्योति और बीके तिलक ने मुलाकात की और ईश्वरीय सोगात भेंट करते हुए संस्था द्वारा दिये जा रहे योग संदेश से अवगत करवाया।

नाटक से दिया राजयोग का संदेश

शिव आमंत्रण, खिलचीपुर। मध्य प्रदेश के खिलचीपुर में अंतर्राष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें खिलचीपुर विधायक हजारीलाल दांगी,जनपद अध्यक्ष जगदीश दांगी, एसडीएम.प्रवीण प्रजापति, भाजपा मण्डल अध्यक्ष हिमांशु गुप्ता, राजगढ़ जिला प्रभारी बीके मधु, ब्यावरा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके लक्ष्मी, पचोर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके वैशाली ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बीके बी.एस.राठौड जी ने सभी को शारिरीक व्यायाम कराया। संस्था के भाई-बहनों ने धर्मराज की दरबार नामक नाटक भी प्रस्तुत किया। बीके सीमा ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई। बीके मधु ने सभी अतिथियों को सौगात भेंट कर सम्मानित किया। जिया ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। करण मालाकार ने स्वागत किया। खिलचीपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके नीलम ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

पेज 1 का शेष...

प्रथम महिला फाइटर पायलट....

भावना कंठ के पिताजी मथुरा रिफायनरी मे इलेक्ट्रिकल इंजिनिअर है। इस अवसर पर गोपालपुरा सेंटर इंचार्ज राजयोगिनी कृष्णा बहन ने भावना कंठ, माता राधा कंठ, पिता तेजनारायण का सम्मान किया। भावना कंठ ने कहा, माता पिता के आशीर्वाद और इश्वर की कृपा से यह मुकाम हासिल हुआ है। परिवार को संभालना और सर्विस मे भी अपनी कार्यकुशलता का परिचय देना यह मल्टि टास्किंग केवल महिलाही कर सकती है। भारी संख्या मे उपस्थित महिलाओं से उन्होने कहा, अपने आपको असहाय या अबला नही परंतु शिवशक्ति समझे। गोपालपुरा सेंटर इंचार्ज कृष्णा बहन ने कहा, महिलाए आज किसी भी क्षेत्र मे पुरूषों से पीछे नही है। भावना कंठ उसका जीता जागता उदाहरण है। ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय गत 80 वर्षों से महिला सशक्ति के लिए कार्य कर रहा है। महिलाओं द्वारा संचालित यह विश्व मे सबसे बडी आध्यात्मिक संस्था है। सम्मान समारोह मे संस्था से जुडे भाई बहने और रिफाइनरी के अधिकारी बडी संख्या मे उपस्थित थे। संस्था की ओर से पधारे अतिथियों को स्मृति चिन्ह रिफायनरी के वरिष्ठ अभियंता श्री. किशनलाल ने भेंट किया। धन्यवाद ज्ञापन मनोज भाईने और मंच संचालन आलोक भाई ने किया।

सद्भावना दौड़ में दिखा युवा जोश....

केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रदान करता है अपितु मानव जीवन और समाज में शांति, अमन और सदभावना आदि स्वस्थ वातावरण विकसित कर सकता है। समग्र भारत और विश्व में राजयोग, अध्यात्म और जीवन मूल्यों के प्रचार-प्रसार करने में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था अग्रणी भूमिका निभा रही है। हॉकी टीम के विजेता रहे पद्मश्री मिल्खा सिंह ने कहा है कि योग के नियमित अभ्यास एवं दृढ़ता, कड़ी मेहनत से किसी भी खेल में उत्कृष्टता के साथ-साथ आंतरिक शक्ति, क्षमता और कुशलता में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खेलों का मकसद होता है एक-दूसरे से प्यार बाँटना, रंजिश मिटाना। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों को आयोजित करने की इच्छा जाहिर की। इस अवसर पर केंद्रीय युवा और खेल मंत्रालय सचिव राजीव गुप्ता ने कहा कि योग के द्वारा न केवल मन को शान्त और नियंत्रित किया जा सकता है अपितु व्यक्तित्व का सर्वांगींण विकास भी सम्भव है तथा ब्रह्माकुमारीज़ युवा प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक बीके चंद्रिका ने कहा कि इस योगा रन का उद्देश्य स्वयं शान्त रहकर लोगों के बीच शान्ति और एकता की संस्कृति का विकास करना है।

गुब्बारों से अनोखे रंग में रंगा आसमानः झंड़ी हिलाकर योग रन का शुभारम्भ करने के साथ ही आकाश मंच से छोड़े गये रंग-बिरंगे गुब्बारों से भर गया। चारो ओर शांति के संदेश देते गुब्बारे तथा मिनी मैराथन दौड़ में लोगों का उत्साह देखने लायक था।

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि - एक प्रकाश स्तम्भ

आध्यात्म प्रज्ञा राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी, एक ऐसी विदुषी नारी का नाम था, जिन्होंने यह सिद्ध किया कि नारी शक्ति स्वरूपा है। नारी के अंदर विद्यमान शक्ति को आध्यात्मिकता द्वारा पुनर्जागृत किया जाये तो नारी समाज में एक महान क्रान्ति की नायिका बन सकती है। आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग द्वारा नारी ही शीतला, दुर्गा, सरस्वती और सन्तुष्टता की मणी सन्तोषी देवी बन सकती है। यह स्वयं के जीवन के द्वारा दादी प्रकाशमणि जी ने कर दिखाया। उन्होंने अपने नेतृत्व में भारत और विश्व भर में लाखों बहनों-भाईयों के जीवन में अद्भुत परिवर्तन लाकर विश्व सेवा के लिए प्रेरित किया था। दादी प्रकाशमणि जी ने अपने अनुपम मूल्यनिष्ठ जीवन, आध्यात्मिक शक्ति एवं प्रशासनिक दक्षता से ब्रहाकुमारी संगठन को प्रेम, शान्ति, सत्यता, समरसता, सद्भावना, आत्मिक दृष्टि, वात्सल्य, करूणा जैसे जीवन मूल्यों को परमात्म शिक्षा और विश्वास से सुसज्जित किया।

दिव्यता की मूर्ति दादी प्रकाशमणि जी का जन्म सन् 1922 में हैदराबाद सिन्ध में हुआ। दादी जी बचपन से ही दिव्य आभा से आलोकित थीं। सन् 1937 में विश्व के पालनहार परम-पिता, परम-आत्मा शिव ने दादा लेखराज को परमात्म स्वरूप का एवं भावी नई सतयुगी दुनिया का अलौकिक साक्षात्कार कराया, तथा दादा लेखराज, जिनका दिव्य नाम वप्रजापिता बहा है, के द्वारा प्रजापिता ब्रहाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना की। उसी क्रम में दादी प्रकाशमणि जी, 14 वर्ष की तरूण आयु में, इस संस्था के संस्थापक के सम्पर्क में आयीं। दादी जी को भी अनेक दिव्य साक्षात्कार हुए, जिसमें उन्होंने ज्योति स्वरूप शिव एवं नई सतयुगी दुनिया का साक्षात्कार किया तथा वर्तमान विश्व का, प्रकृति के प्रकोप, अणु शक्ति, गृह युद्ध आदि द्वारा परिवर्तन होने का भी दृश्य देखा।

स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन की संकल्पना ने दिखाया कमाल

रत्नप्रभा दादी जी ने अपनी बाल्यावस्था में ही स्व-परिवर्तन से विश्व परिवर्तन की संकल्पना के साथ इस संस्थान की आध्यात्मिक क्रान्ति में अपने आपको प्रजापिता ब्रहा बाबा के सम्मुख पूर्ण रूप से ईश्वरीय कार्य में समर्पित कर दिया। अपनी निर्मल, कुशाग्र बुद्धि औरा सत्यता की पहचान के कारण ब्रहाकुमारी संगठन में प्रेरणा और उदाहरणमूर्त बनी। इनकी अलौकिक शक्ति को पहचान कर प्रजापिता ब्रहा बाबा ने दादी प्रकाशमणी जी तथा अन्य कुमारियां और माताओं का संगठन बनाकर, अपना सब कुछ ईश्वरीय कार्य में समर्पित किया। तब से दादी प्रकाशमणि जी, इस संस्था में एक आदर्श ब्रहाकुमारी के रूप में, संस्था की स्थापना-स्तम्भ के रूप में आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग को प्रस्तुत करने में एक अनुपम प्रेरणा स्त्रोत बनीं। संस्थान में समर्पित होने के बाद कुछ ही समय के अन्दर, अपने आपको एक कुशल, तेजस्विनी, तीव्रगामी पुरूषार्थी के रूप में प्रस्तुत किया और मानवीय मूल्यों से सुसज्जित प्रकाश स्तम्भ बन गयीं।

दादी जी की दिव्य बुद्धि, वक्तृत्व कला और योग की पराकाष्ठा को देखते हुए प्रजापिता ब्रहा बाबा ने उन्हें भारत के विभिन्न स्थानों पर ईश्वरीय सेवाओं हेतु भेजा। जिसके फलस्वरूप दिल्ली, अमृतसर, कानपुर, मुम्बई, कोलकाता, पटना, बैंगलोर आदि महानगरों में ईश्वरीय सेवाकेन्द्रों की स्थापना हुई।

विश्व के कई देशों का भ्रमण

सन् 1954 में पिताश्री प्रजापिता ब्रहा बाबा ने जापान में हुए वर्ल्ड रिलीजस कॉन्फ्रेन्स के निमन्त्रण पर वक्तव्य देने हेतु आपको भेजा। इसके अतिरिक्त दादी जी ने अन्य देशों-जैसे कि थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया, हांगकांग, सिंगापुर, श्री लंका आदि देशों में भ्रमण कर हजारों भाई-बहनों को ईश्वरीय संदेश देकर, परम-आत्मा के कार्य में सहयोगी बनाया। सन् 1969 में संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रहा बाबा ने अपने देहावसान से पूर्व संध्या पर दादी जी की अदम्य साहस, निष्ठा, ईमानदारी तथा विश्व कल्याण की सेवाओं में समर्पणता को देखते हुए, अपना हाथ दादी जी के हाथ में देते हुए, ब्रहाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की बागडोर सौंपीं। तब से अब तक वे ही इस अंतराष्ट्रीय संस्था की मुख्य प्रशासिका के रूप में कार्य करती रही हैं।

भारतीय संस्कृति का फहराया परचम

आध्यात्म की ज्योति लेकर दादी जी ने देश ही नहीं विदेशों में भी प्राचीन भारतीय संस्कृति, सभ्यता और राजयोग के सिद्धान्तों को लेकर उच्च जीवन प्रणाली के लिए सभी को प्रेरित किया। दादी जी के कुशल संचालन में ईश्वरीय विश्व विद्यालय में व्यक्तित्व निर्माण की आभा इतनी तीव्र हुई, जिसके फलस्वरूप आज देश-विदेशों में हजारों सेवाकेन्द्रों की स्थापना हुई।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने दी मान्यता

दादी जी के नेतृत्व में, समाज में शान्ति, सद्भावना, धार्मिक समरसता, भ्रातृत्व प्रेम जैसे मूल्यों की स्थापना के कार्य को देखते हुए प्रजापिता ब्रहाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय को संयुक्त राष्ट्र संघ ने ग़ैर सरकारी संस्था के तौर पर आर्थिक एवं सामाजिक परिषद की परामर्शक सदस्यता प्रदान की तथा युनिसेफ़ से भी जोड़ा।

आध्यात्मिक शक्ति एवं बहुमुखी सेवाओं देखते हुए, दादी प्रकाशमणि जी को 30 दिसम्बर, 1992 में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल डॉ. एम. चेन्ना रेर्ीं ने डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। सामाजिक सेवाओं के उत्कृष्ट कार्यों के लिए महाराष्ट के तत्कालीन मुख्यमंत्री शरद पवार ने ज्वाइंन्टस् अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार-1994 भेंट किया।

आध्यात्मिक प्रकाश स्तम्भ दादी जी के मिशन में जुड़ा कारवां निरन्तर बढ़ता गया। मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत दादी जी के निर्मल, पवित्र और प्रकाशदायी जीवन से लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आया। दादी के प्रेरक जीवन से 46 हजार से भी अधिक बाल ब्रहाचारिणी बहनों तथा करीब एक लाख से अधिक ऐसे युवाओं अपना जीवन समर्पित कर नये समाज के निर्माण में संलग्न है। इसके साथ ही लाखों परिवार भी इस मार्ग पर चलकर जीवन को श्रेष्ठ बना रहे हैं। दादी के नौवीं पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

दुनिया भर में जलाई अध्यात्म की ज्योति

दादी जी ने मानवता के इस महान कार्य के लिए विश्व के प्रमुख देशों का भ्रमण कर आध्यात्मिक जागृति की अलख जगाई। जिन देशों का उन्होंने भ्रमण किया उनमें हैं : संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, यू.ए.ई., केन्या, जिम्बावे, जापान, अर्जेण्टीना, कनाडा, आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, बेल्जियम, ब्राजील, कोलम्बिया, रूस, डेनमार्क, फ्रांस, स्वीडेन, स्पेन, स्विटजरलैण्ड, गयाना, ट्रिनीडाड, यूनान, जर्मनी, इटली, आयरलैण्ड, हालैण्ड, सिंगापुर, नेपाल, श्रीलंका आदि। इन यात्राओं में दादी प्रकाशमणि जी विभिन्न जाति, वर्ण, रंग-भेद को दूर करने हेतु विश्व के एक कोने से दूसरे कोने तक आध्यात्मिक चेतना की अग्रदूत बनी। दादी जी ने समाज को कुरीतियों-अंधश्रद्धाओं, व्यसनों एवं तनावों से मुक्ति के लिए अनेक अभियान चलाये। युवाओं, महिलाओं व सर्वांगीण ग्राम विकास के लिए तथा आध्यात्मिक जागृति के लिए भारत भर में अनेक कार्याक्रमों को संचालित किया।

अमेरिका में भी प्रकाशमणि दिवस

सन् 2000 में जब दादी जी ईश्वरीय सेवार्थ अमेरिका गयी, उस समय वाशिंग्टन डी.सी. में स्टेट केपिटल बिल्डिंग के सामने तत्कालीन मेयर ने दादी जी के कर-कमलों से वृक्षरोपण कर ओम् शान्ति ट्री नामांकित किया। तथा प्रतिवर्ष 10 जून को प्रकाशमणि दिवस के रूप में मनाने की उद्घोषणा की, जो आज भी यथावत् संचालित है।

शान्ति दूत से किया सम्मानित

दादी जी के नेतृत्व में संस्थान द्वारा राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विराट रूप से चल रहे मानवीय कार्यों को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने ब्रहाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय को सन् 1985 में एक अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति पदक और दादी जी को सन् 1987 में सकारात्मक कार्यों के लिए शान्ति दूत सम्मान से भी सम्मानित किया। 5 राष्ट्रीय स्तर के भी शान्तिदूत पुरस्कार प्रदान किये। इसके इलावा, दादी जी को अनेक महामण्डलेश्वरों सामाजिक संस्थाओं, राज्य सरकारों ने अनेक पुरस्कारों तथा सम्मान चिन्हों द्वारा सम्मानित कर अभिनन्दन किया।

विश्व की दादी का खिताब प्राप्त कर चुकी दादी ने आध्यात्मिक नेता बन सबको सिखाया जीने का सही तरीका

दादी हमेशा मॉ की भूमिका में होती थी। प्यार से सबकी पालना करती थी। चाहे वह छोटा हो या बड़ा। ज्ञान योग से हमेशा दूसरों को सजाती थी। उनकी हर बोल व संकल्प कल्याणकारी होते थे। इसलिए हर कोई दादी को प्यार करते थे। इसलिए दादी रूहानी सेनापति थी।

- राजयोगिनी दादी जानकी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू

दादी जी एक शक्ति थी। वे हर कर्म गुणमूर्त होकर करती थी। नारी को कैसे शक्ति स्वरूपा बनना चाहिए इसका वे प्रत्यक्ष प्रमाण थी। दादी छोटे से लेकर बड़ों तक सबको रिगार्ड देती थी। इसलिए दादी जिधर भी जाती थी उधर सात्विकता और रूहानियत की खूशबू फैल जाती थी।

- राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका

गुणमूर्त दादी की स्थिति हमेशा समान रहती थी। दुख, सुख, मान अपमान में भी अडिग निसंकल्प रहती थी। सर्व मनुष्यात्माओं के लिए उनकी सोच एक महान व्यक्ति त्व की परिचायक थी। इसलिए हमेंशा उन्हें दूसरों के आंतरिक विकास के लिए प्रयासरत थी। **- राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू**

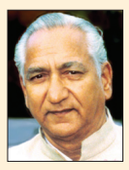

दादी प्रकाशमणि जी एक महान नेता थी। उनके साथ रहना माना हमेशा गुणों एवं शक्तियों को अपने जीवन में भरते रहना। उनका व्यक्ति त्व ऐसा था कि जो भी उनके सामने आता था उनका ही होकर रह जाता था। वे हमेशा इस जगत में जीवित रहेंगी। उनके सान्निध्य में संस्था ने विश्व व्यापी प्रसार किया।**- राजयोगी बीके निर्वैर, महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू**

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की स्थिति हमेशा स्थितिप्रज्ञ योगी की तरह थी। उनके संकल्प, उनके विचार हमेशा उर्जावान और रूहानी थे। उनके बेहतरीन नेतृत्व में संस्था ने असीम उंचाईयां प्राप्त की। इनके जीवन हमेशा लोगों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। आज भी वे मार्गदर्शन कर रही है।

- राजयोगी बीके रमेश, अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, मुम्बई

विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय दादी जी से सीखने लायक होता था। वे दूरांदेशी थी कोई भी कार्य करने से पहले हर किसी से राय करना उनके बेहतरीन गुणों में से था। विज्ञान के साधनों का हमेशा मानव कल्याण के लिए उपयोग के लिए निर्देश देती थी। उनकी पालना लोगों के जीवन में उत्साह भर देती है। **बीके करूणा, प्रकाशक, शिव आमंत्रण, आबू रोड**

मैं जब 16 साल की थी तभी इस वरदान भूमि में आ गयी। दादी ने मुझे उत्तरदायित्व भरे कार्य में व्यस्त कर दिया। दादी केवल कार्य ही नहीं देती बल्कि कार्य क्षमता और साहस तथा कला भी भर देती थी। आज तक मैं उन्हीं द्वारा दिये गये मार्गदर्शन में चल रही हूँ। **- ब्रह्माकुमारी मुन्नी, कार्यक्रम प्रबन्धिका, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, आबू रोड**

परिवार से किनारा नहीं करो, नहीं तो परिवार से ही किनारे हो जायेंगे- दादी जानकी

बाबा को याद क्यों करते हैं ? क्योंकि लगन है- जल्दी पापों का बोझा उतर जाए और घर जायें। मूलवतन, सूक्ष्मवतन की याद आती है क्योंकि सूक्ष्मवतन को पार करके मूलवतन में जाना है। यहाँ से पार सूक्ष्मवतन वासी होकर रहना, फ़रिश्ता पन की स्थिति में रहना यह भी बहुत सुन्दर स्थिति है जो संगमयुग पर ही अनुभव कर सकते हैं। यहाँ जो देह सहित देह के सब रिश्तें हैं वह खत्म हो गये और सब संबंध बाबा से हो गये।

बाबा की इतनी बड़ी जो सम्पनि मिली है अविनाशी ज्ञान रत्न, ईश्वरीय गुण और सर्व शक्ति याँ, यह सब सम्पनि का अधिकार जो अभी संगमयुग पर हमको मिला है इन दोनों का आपस में संबंध है। बाबा से सर्व संबंध और सर्व प्राप्तियाँ वही हमको फरिश्ता बनाती हैं। संगमयुग पर यह अधिकार ले लें तो सतयुग में ऊँच पद पाने की गैरन्टी है।

एंजिल का नाम लेते ही नज़र ऊपर चली जाती है। वह किसके बच्चे हैं? किसकी क्रियेशन हैं, यह हम जानते हैं। बाबा ने हम बच्चों को अपना बनाकर पहले स्वदर्शन चक्रधारी श्रेष्ठ ब्राहण बनाया, भविष्य देवता पद तो है ही लेकिन अभी हैं फरिश्ता। यहाँ से न्यारा बनाकर, अपना प्यार देकर लाइट माइट देकर संगमयुग पर ऐसी स्थिति से औरों को भी बाप के समीप लाओ। बाबा के समान बनना माना बाबा के समीप आना। हम बड़े भाग्यशाली हैं जो हम उनके समीप हैं। शिवबाबा ने इसमें प्रवेश होकर हमको अपना बच्चा बनाया। पहले इसको अपना बनाया फिर इसके द्वारा हम सबको अपना बनाया, फिर हम उसके सामने रहते समीप आ गये हैं। दुनिया से जितना दूर उतना बाप के समीप। तो इस दुनिया की कोई आर्कषण नीचे खींच नहीं सकती है। न कोई निचाई-ऊँचाई का असर हो सकता है। थोड़ा भी यहाँ की निचाई ऊँचाई का इ फे क्ट आया तो यह भी डिफेक्ट है जो परफेक्ट बनने नहीं देगा। बाबा की याद आना माना परफेक्ट बनना। यहाँ के वातावरण का कोई भी इफेक्ट न आये। सतयुग में निरोगी काया होगी, हीरे जवाहरातों के महल होंगे। वह यहाँ नहीं है। लेकिन अभी जो बाप से सर्व संबंधों का सुख है वह वहाँ नहीं मिलेगा। यहाँ इस शरीर में होते निरोगीपन का अनुभव करते हैं। कर्मभोग शब्द भी नहीं कह सकते क्योंकि क र्मों की गुह्य गति को समझ लिया है। फ्री होकर बाबा के पास जा रहे हैं, यह खुशी है। वहाँ तो दुनिया ही सतयुगी है, प्रकृति सतोप्रधान है। और यहाँ के पुरूषार्थ अनुसार प्रालब्ध है। बाबा ने कहा है- प्रालब्ध का अनुभव करो। क्रमशः .....

शांति और सद्भावना के इजहार करते-राखी के दो तार

अविनाशी आत्मा के मन में उत्कर्ष की असीम संभावनायें है। मन की उड़ानों को रक्षाबन्धन जैसे पावन सूत्रों में बांधकर नर को नारायण जैसा सतोप्रधान बनाया जा सकता है

बंधन किसी भी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने तथा उसे सुचारू रूप से चलाने में सहायक होता है। चाहे वह मर्यादा, प्यार, अहिंसा अथवा सामाजिकता का बंधन हो। परन्तु सभी का मकसद एक ही होता है व्यवस्थाओं अथवा संरचना को यथावत बनाये रखा जाये। मन के चंचल उड़ानों को शांतिदायिनी और सद्भावना-युक्त बनाने के लिए ही राखी का पर्व बनाया गया है। राखी एक रूहानी पर्व है इससे ही मानव संसार सागर की तमाम हलचलों में से अमृतमय सम्बन्ध ढूंड पायेगा। जैसे असीम जल राशि वाले समुन्द्र के तटबन्धों के सहारे बहुतेरे लाभ उठाये जाते। पल-पल भागते समय ऋतु, मास, दिवस, घंटा, मिनट में बांधकर जीवनचर्या व्यवस्थित की जाती है। मनुष्य समुदाय को गुण-कर्मों के प्रमाण सेवा में नियोजत कर समाज को रंग-विरंगे जीवन का गुलदस्ता बनाया जाता है। पर कोई इन व्यवस्थित बन्धनों में विघ्न डालता तो उसे दण्डित कर, व्यवस्था को संरक्षण दिया जाता है। वैसे ही भाई-बहन जैसे आत्मीय प्यार के बन्धन को समाज व सामाजिक संविधान द्वारा रक्षा-बन्धन के रूप में सम्पूर्ण संरक्षण व परिपोषण दिया जाना चाहिए।

मन में उत्कर्ष की असीम संभावना समुद्र पार कर लेना, एवरेस्ट पर चढ़ जाना, कांटों की शैया पर सोये रहना सरल है पर मन को एकाग्र कर लोक मंगल में जोड़ना ... ... ? परन्तु पौराणिक कथानकों के अनुसार रक्षा सूत्रों को लोग नारी संरक्षण का ही प्रतीक मानते हैं। जैसे फिरोज शाह द्वारा नागौर किले की घेरा-बंदी किये जाने पर राजा मानसिंह की पुत्री पन्ना द्वारा उम्मेद सिंह को भाव-भरे पत्रों के साथ भेजी हुई राखी ने किले की पराजय व क्षत्राणियों को जौहर से बचाया, महारानी पद्मिनी द्वारा हुमायूँ को भेजी गयी राखी ने चिश्रौड़ की ललनाओं को संरक्षण दिया आदि-आदि...। परन्तु रक्षाबन्धन तो भाई-चारे जैसे सतोगुणी जीवन द्वारा सत-धर्म की रक्षा करने वाला है। इससे पाठ लेकर जो मनसा-वाचा-कर्मणा व तन-मन-धन, सम्बन्ध-सम्पर्क में पवित्र रहने का व्रत लेते हुए शांति-सद्भावना बनाये रखने हेतु तत्पर रहते तो उच्च धारणाओं द्वारा उनकी रक्षा स्वत: होती रहती है। नहीं तो विकारों से जकड़ा हुआ जीवन, यमराज की यातनाओं से टूट नहीं सकता। बहनों द्वारा बांधे जाने वाले कच्चे धागों के बन्धन तो मात्र प्रतीक हैं।

पावनता का प्रतीक राखी

कलियुग व सतयुग के सन्धिकाल पर ईश्वरीय शिक्षायें धारण कर माताओं-बहनों ने दूसरों को भी पावनता के पथ का पथिक बनाया है। मनुष्य को विषय-विकारों से मुक्त कराने के कारण ही तो इसे विष-तोड़क पर्व भी कहा जाता है। क लिकाल में रस्म-रिवाज बस राखी मानते हुए लोग और ही पतन के गर्त में गिरते जा रहे हैं। जबकि रक्षा-बन्धन सर्वोच्च जीवन जीने के लिए पावनता का बीड़ा उठाने के लिए मनाये जाने वाला अति महान पर्व है। इसी के द्वारा आत्मा-आत्मा भाई-भाई की वृति से राजयोग जैसी ऊँची पढ़ाई पढ़ी जा सकती है। इस आध्यात्मिक ज्ञान-ज्योति से ही स्वयं प्रकाशित हो हम कुल-दीपक बन जग का अंधियारा मिटाने के भी निमित्त बन सकते हैं।

सतयुग के आदि तथा कलियुग के अन्त में स्वयं परमात्मा ने आकर पवित्रता की राखी बांधकर आत्माओं को पापों से मुक्ति दिलायी थी। जिसकी यादगार रक्षाबन्धन है।

भौतिक शरीर में सूक्ष्म शरीर का वास

आध्यात्मिकता की शक्ति कई ऐसी होती है जो वैज्ञानिकों के लिए आज भी अबुझ पहेली बनी हुई है । मनुष्य का शरीर भल पांच तत्वों से बना हुआ है परंतु इसमें निवास करने वाली चैतन्य सत्ता अपनी शक्ति से शरीर के अंदर एक अलग प्रतिबिम्ब बनाती है यह प्रतिबिम्ब प्रकाश के रूप में मनुष्य के शरीर से 24 घंटे उत्सर्जित होता रहता है। यह प्रकाश का रूप अलग -अलग मनुष्यों की साधना वृत्ति और कृत्ति पर काफी हद तक निर्भर होता है । अध्यात्म की गहराईयों में डूबे महापुरूषों ने इस प्रश्न का हल ढूढने के इर्दगिर्द तक पहुँचे है परंतु अध्यात्म से दूर रहने वाले लोगो के लिए यह अभी भी अबूझ पहेली बना हुआ है । कई ऐसी घटनाये घटी है जिससे यह सिद्ध होता है कि मनुष्य के चारो तरफ प्रकाश उत्सर्जित होता रहता है। बहुत से ऐसे किस्सों का वर्णन मिलता है कि सतों के शरीर से निकलने वाले प्रकाश से उनका कक्ष ही नही समूचा घर या गिरिजाघर जहाँ भी वे रहते वहाँ का वातावरण प्रकाशमय हो उठता है । इसकी पुष्टि फाद हरवर्ट द्धारा लिखी गयी एक कहानी से होती है । एक सत्य घटना पर आधारित यह कहानी का वर्णन है कि पुर्तगाल के कोयंबरा के जर्सिट कालेज में एक स्पेनिश धर्म विज्ञानी रहते थे उनका नाम फादर फ्रांसिस स्वेरेज। एक बार कोई आगंतुक उनसे मिलने आया । इसकी सूचना देने उनका धर्म -भाई जेरोम डी सिल्वा उनके घर गया। घर का दरवाजा बंद था और वहाँ घुप्प अंधेरा था । जेरोम ने फादर को आवाज लगाई तो कोई उत्तर नही मिला। उनके पूजा कक्ष का पर्दा जब डी सिल्वा ने हटाया तब वह एकाएक चौधिया गया पदें की ओट से अदभुत प्रकाश आ रहा था। जब वह भीतरी कक्ष में पहुँचा तब उसने पाया कि क्रूसमूर्ति से अंधा कर देने वाला प्रकाश चारो ओर बिखरा था। यह सूक्ष्म शरीर ही थी।

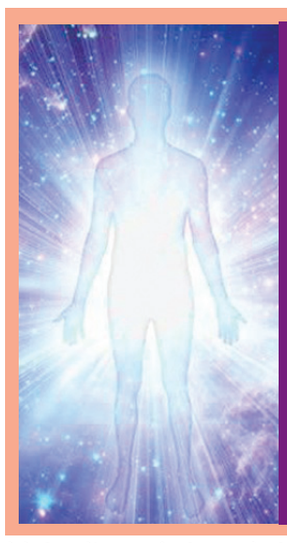

यह वैज्ञानिकों ने हाल ही में शोध करके यह सिद्ध कर दिया है कि मनुष्य के शरीर से लगातार 24 घंटे प्रकाश उत्सर्जित होता रहता है। यह प्रकाश कई रंगो में देखा गया है । यह मनुष्य की आन्तरिक स्थिति पर निर्भर करती है । जब मनुष्य साधना करता है ब्रहाचर्य का पालन करता है तथा सभी नियम मयार्दाओं को जब अपने जीवन में उतारता है तो उनके अंदर सकारात्मक शक्ति का प्रकाश बनने लगता है और वह गोल्डेन रंग में यह प्रकाश प्रवाहित होता है । यह सतोप्रधानता का प्रतीक है। इसलिए देवी देवताओं के मुख मंण्डल के चारो ओर सफेद गोल्डेन रंग के लालिमा का ओरा दिखाते है। जिससे उनका मुख मंण्डल तेजोमय प्रतीत होता है और उस दशा में कुरूप आदमी भी आकर्षण मूर्त बन जाता है ।

जब चुंधिया गई आंखें...

जेरोम के शब्दों में - मेरी आंखे उस प्रकाश के सम्मुख ऐसी चौधियां गई जैसे सूरज को देखा हो। क्रूसमूर्ति से अंधा कर देने वाला प्रकाश चारो ओर विखर रहा था। प्रकाश में मैने देखा फादर क्रूसमूर्ति के सम्मुख हाथ जोड घुटनों के बल बैठे है और उनका शरीर जमीन से लगभग तीन फीट उठा हुआ है । इतना सब देखने पर मेरे रोगटे खडे हो गए और वहाँ खडा रहना असंभव सा प्रतीत हुआ। करीब पौने घंटे बाद फादर जब वाहर आए तब अने धर्म -भाई को प्रतीक्षा करते देख थोडा चकित हो गए जब फादर को पता चला कि जेरोम ने भीतरी कक्ष का अदभुत रहस्य देख लिया। इस तरह अनेक घटनाये घटी है जो विश्वसनीय है। और उनपर विश्वास किया जा सकता है ।

सूरत में 15 दिवसीय राजयोग शिविर

महापालिका में आयोजित योग कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

शिव आमंत्रण, सूरत। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सूरत - मजुरागेट सेवाकेंद्र द्वारा राजयोग से सर्वांगीण स्वास्थ्य विषय पर आयोजित पन्द्रह दिवसीय राजयोग शिविर का सफलतम् समापन किया गया। राजयोग की परिभाषा समझाते हुए बीके सोनल ने कहा कि राजयोग द्वारा हम अपने मन को सर्वशक्तिमान परमात्मा से जोड़ने की विधि सीखते है। उससे हमारे मन से चिंता, भय, तनाव आदि विकृतियां दूर हो जाती है। जीवन शैली में भी परिवर्तन आता है। सूरत शहर पुलिस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बीके अवनी ने राजयोग के बारे में समझाकर अनुभूति कराई। कार्यक्रम में 1800 पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। अन्त में पुलिस कमिश्नर आशिष भाटिया को ईश्वरीय सौगात भेंट की गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस | सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में योगा फॉर यूनिवर्सल पीस

योगा शरीर के लिए, योग आत्मा के लिए

शिव आमंत्रण ■ नई दिल्ली

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की कड़ी में दिल्ली के सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में योगा फॉर यूनिवर्सल पीस का आयोजन किया गया। जिसमें यू एन आई सी राष्ट्रीय सूचना अधिकारी राजीव चंद्रन, राज्य सभा के उप सभापति पी जे कुरियन, संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके शिवानी, ऑस्ट्रेलिया के बीके डेविड मुख्य रूप से शामिल रहे।

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके शिवानी ने कहा, योगा सुनते ही शारीरिक बातें सामने आ जाती है। जो योगा करते हैं उनका शरीर स्वस्थ होता है, फ्लेशिबल हो जाता है लेकिन सामने से किसी ने कुछ बोल दिया तो मन को बहुत पीड़ा होती है। ऐसे में जो वायब्रेशन शरीर में जाते है वे फिर दर्द का कारण बनते है। अब परमात्मा ने आकर जो राजयोग सिखाया है वह आत्मा और मन दोनों को सन्तुलित करता है। मन को लचीला बनाता है जो किसी भी बात में झुका जा सके और सांमजस्य स्थापित किया जा सके। आज इसी राजयोग की सबसे ज्यादा आवश्यकता है क्योंकि बहुत सी बिमारियाँ तो मन के व्यर्थ और नकारात्मक सोच से ही होती है। राज्यसभा के उपाध्यक्ष पी. जे. कुरियन ने कहा, राज्यसभा का परिवर्तन अगर राजयोगी सभा में हो जाये तो हमारे सामने जो मुसीबते आती है वह सब खत्म हो जायेगी। मेरी भी यही प्रार्थना है।

उन्होंने कहा कि योग परमशक्ति से का एक सहज माध्यम है। हर आदमी को अंदरूनी स्वास्थ्य और स्वतन्त्रता प्रदान करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किया किया जा रहा कार्य अमूल्य है। इस योग में मन और शरीर को एक साथ स्वस्थ रखने का तरीका समाहित है।

योग कार्यक्रम का उद्घाटन करते पी. जे. कुरियन व अन्य अतिथि।

दो हजार से अधिक लोगों ने किया योग

शिव आमंत्रण, बडोदा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य मे सयाजीबाग बेन्ड स्टेन्ड के पास विशाल स्टेज के साथ दो हजार से जादा लोगों ने आसन, प्राणायाम, और ध्यान का अभ्यास किया। ब्रह्माकुमारी निरंजना बहन ने राजयोग का अर्थ समझाते हुए कॉमेन्ट्रीसहीत मास मेडिटेशन कराया और ईश्वरीय संदेश दिया। लगभग 12 से अधिक स्कूलों के एक हजार बच्चों ने भी इसमे भाग लिया। इस अवसर पर बडोदा म्युनिसीपल कार्पोरेशन पार्कस के डायरेक्टर शीखलिया, म्युनिसीपल कार्पोरेशन बोर्ड आफिसर संजय बारोड और मामलेदार मोहब्बत सिंह उपस्थित थे।

संस्था ने भारतीय संस्कृति को विश्वभर फैलाया : परिहार

शिव आमंत्रण ■ नीमच

आज पूरे विश्व भर में भारत के प्राचीन योग का प्रचार-प्रसार कर रही है। ये हमारे लिये गौरव की बात है। उक्त विचार व्यक्त किये विधायक दिलीप सिंह परिहार ने। वे मध्यप्रदेश नीमच के दशहरा मैदान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत आयोजित विराट महोत्सव में सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के समर्पित भाई-बहनें सारे विश्व में फैलकर भारतीय संस्कृति का परचम लहरा रहे हैं। एक दिन इनके प्रयास से भारत फिर से विश्व गुरू का स्थान प्राप्त कर लेगा। इस महोत्सव की शोभा तब और बढ़ गई जब अतिथियों समेत बड़ी संख्या में जनसमुदाय ने हाथों में शमा लेकर सारे दशहरा मैदान को जगमग कर दिया। इससे पूर्व सभी ने मिलकर सामुहिक योगाभ्यास भी किया। महोत्सव के पूर्व वाहन रैली भी निकाली गई जो प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंची और योग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक दिलीप सिंह परिहार, सेंट्रल कॉ-ऑपरेटीव बैंक के अध्यक्ष मदनलाल राठौर, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता, क्षेत्रीय निदेशक बीके सुरेंद्र समेत अनेक अतिथियों ने दीप जलाकर किया।

नीमच कें दशहरा मैदान में योग करती बीके बहनें।

कम्पनी कर्मचारियों के लिये राजयोग सत्र

शिव आमंत्रण, कोलकत्ता। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत कोलकत्ता के कई कंपनियों में राजयोग सत्र का आयोजन किया गया। फुड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया, टाटा मोटर्स फिनांन्स कंपनी, जेटकिंग, एमएसटीसी लिमिटेड में आयोजित इस सेशन में राजयोग शिक्षिका बीके मनीशा, बीके चन्द्रा, बीके रुमकी उपस्थित थी। इस दौरान कंपनियों के ऑफिसर्स एवं कर्मचारी भाग लेकर लाभान्वित हुए।

इस सत्र के दौरान बीके बहनों ने राजयोग द्वारा सकारात्मकता को अपनाने की विधि बताई। साथ ही सभी से राजयोग की अनुभूति करवाते हुए बताया कि राजयोग के नित्य अभ्यास से हमारी कार्यकुशलता बढ़ती है।

आध्यात्मिक विकास के लिए राजयोग जरूरी

पालक्कड़ में योगाभ्यास करते योगी।

शिव आमंत्रण, पालक्कड़। पालक्कड़ के इंडोर स्टेडियम में आयुष मंत्रालय, नेहरू युवाकेंद्र, ब्रहाकुमारीज, पतंजलि समेत कई संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बीके मीना ने सभी को कॉमेंट्री द्वारा योगाभ्यास कराया जिससे सभी को मन को शांत व स्थिर बनाने तथा परमात्मा से सर्व शक्तियां प्राप्त करने की जानकारी मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ एस पी श्रीनिवास, नेहरू युवाकेंद्र के संयोजक अनिल कुमार, जिला पंचायत अध्यक्षा शांताकुमारी, नगराध्यक्ष प्रमिला शाशिधरन, उपाध्यक्ष कृष्णा कुमार, पालक्कड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मीना ने दीप जलाकर किया।

नागपुर में बहनों ने बताया आत्मा

कार्यक्रम मे मंचासीन मंत्री नितीन गडकरी, मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले तथा अन्य अतिथि तथा ब्रह्माकुमारी रजनी बहन तथा अन्य।

शिव आमंत्रण ■ नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर महानगर पालिका द्वारा यशवंत स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ समेत कई संस्थाओं को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितीन गडकरी, उर्जा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, आरएसएस के महाराष्ट्र संघ संचालक राजेश लोया, महापौर प्रवीण दटके, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रजनी समेत कई संस्थाओं के पदाधिकारियों व अधिकारी वर्ग के अधिकारियों ने किया। इस मौके पर बीके रजनी ने सभी को राजयोग अभ्यास भी कराया। साथ ही अन्य संस्थाओं द्वारा आसन, प्राणायाम भी कराया गया। इस कार्यक्रम से लगभग 15000 लोग लाभान्वित हुए।

आयओइ ग्रुप के लिए योग कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, थाने। लाईट हाउस चेकनाका, थाने सेवाकेंद्र द्वारा आंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ जीवन के लिए आयओइ ग्रुप के लिए योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीके बलराम इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप मे उपस्थित थे। राजयोग के साथ उन्होने शारीरिक व्यायाम भी करवाया। कार्यक्रम मे आयओइ के निदेशक दीपक जोशी, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरला और बीके ज्योत्स्ना भी उपस्थित थे।

योग को जीवन का हिस्सा बनाएं : सिंह

योगा कार्यक्रम में उपस्थित जम्मू के राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह व अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, जम्मू। जम्मू के मौलाना आजाद स्टेडियम में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें वर्ल्ड योगा इंस्टीट्यूट यूरोप एण्ड आई एस एम एण्ड एच के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ को भी आमंत्रित किया गया। जिसमें बीसी रोड सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सुदर्शन, बीके राजेंद्र समेत संस्था से जुड़े कई लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की और उपस्थित लोगों से योगा को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

दीव में रैली का आयोजन

शिव आमंत्रण, दीव। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दीव सेवाकेंद्र द्वारा घोघला में चल रहे नि:शुल्क योग शिविर के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सेवाकेंद्र संचालिका बीके गीता ने शिव ध्वज दिखाकर किया। इस अवसर पर संस्था से जुड़े कई लोगों ने शामिल होकर नारे लगाते हुए पूरे दीव के लोगों में योग के प्रति जागृति लाने का प्रयास किया।

योगा दिवस के उपलक्ष्य में दीव में आयोजित रैली का दृश्य।

हैदराबाद में सामूहिक योगाभ्यास

हैदराबाद में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजयोग करती तपस्वी बहनें

शिव आमंत्रण, हैदराबाद। हैदराबाद के पब्लिक गार्डन में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्था से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिनमें तेलंगाना लेजिसलेटिव काउंसिल के अध्यक्ष स्वामी गौड़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की निदेशिका बीके संतोष, हैदराबाद शांति सरोवर की निदेशिका बीके कुलदीप, वेस्ट मरेडपल्ली सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू समेत अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने मुख्य रूप से सहभागिता की। इस मौके पर हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने सामुहिक योगाभ्यास द्वारा परमात्मा से शांति व सुख की अनुभूति की तथा पूरे विश्व के लिए अमन व शांति की कामना की।

लातूर में विशाल योग कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, लातूर। लातूर के अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समिति, ब्रह्माकुमारीज़, पतंजलि योग समिति और आर्ट ऑफ लिंविंग द्वारा योग दिवस मनाया गया। शुभारंभ जिलाधिकारी पांडुरंग पोले, जिला परिषद सीईओ दिनकर जगदाले, आयुक्त सुधाकर तेलंग, एस पी डॉ. शिवाजी राठौड़, लातूर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा, महाराष्ट्र में पतंजलि के प्रमुख विष्णु भूतड़ा, आर्ट ऑफ लिविंग की पल्लवी चौधरी समेत कई विशिष्ट लोगों ने दीप जलाकर किया। सर्वप्रथम बीके नंदा ने योग के महत्व को बताते हुए योगाभ्यास कराया। जिलाधिकारी पांडुरंग पोले ने कहा कि पिछले साल से लोगों में योग के प्रति जाग्रति आई है। इसके साथ ही योग के कई लाभ बताए। इस मौके पर 10 हजार से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें कई अधिकारी समेत स्कूली बच्चे भी शामिल थे।

योग दिवस | शारीरिक व आध्यात्मिक जीवन में समता रखने का आह्वान

मलाड सेवा केंद्र द्वारा विविध योग कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, मलाड। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मुंबई के मलाड सेवाकेंद्र की ओर से कई स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संजीवनी हॉस्पिटल में आयोजित योग शिविर में हॉस्पिटल के निदेशक एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल, सह निदेशक एवं कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ.अनुराग, मलाड सेवाकेंद्र संचालिका बीके कुंती, वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ.गिरीश पटेल उपस्थित थे। ऐसे ही पूर्व मलाड के संस्कृति हॉल, पश्चिम मलाड के अग्रिमापक दल, पैथोलॉजी लैब सबर्बन डायग्नोस्टिक्स एवं होमेटल ग्रैंड होटल में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें अग्रिमापक दल के मेनेजर नायक, होमेटल ग्रैंड होटल के एच आर मेनेजर श्वेता, बीके कुंती, वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. गिरीश पटेल, जनकल्याण नगर सेवाकेंद्र संचालिका बीके मीना, बीके सीमा, पश्चिम मलाड सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीरजा उपस्थित थी। इस मौके पर सभी स्थानों में संस्था के सदस्यों ने शारीरिक एवं आध्यात्मिक जीवन में समानता बनाए रखने में राजयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। वही व्यायाम के साथ-साथ राजयोग अभ्यास भी कराया गया। साथ ही उपस्थित अतिथियों ने संस्था का आभार व्यक्त किया।

होमेटल ग्रैंड होटल में अपना वक्तव्य देती हुई बीके कुंती, साथ में डॉ. गिरीश पटेल।

सूचना

पाठकों की विशेष मांग पर शिव आमंत्रण मासिक समाचार पत्र को और बेहतर बनाने के लिए अब इसे चार से बढ़ा कर छह पृष्ठ का कर दिया गया है। अब इसमें और भी जानकारियां, खबरें तथा आत्मोन्नति की सामग्री उपलब्ध होगी। इसका वार्षिक मूल्य 90 रूपए होगा। - संपादक

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

चीन के लोगों को कराया परमात्म ज्ञान

चीन के योग कार्यक्रम में शामिल भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण, ग्वांगजू। चीन के ग्वांगजू में भारतीय महावाणिज्य दूतावास एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। जिसमें योग सूत्रा कॉलेज के हठयोग टीचर्स उपस्थित थे। इस मौके पर बीके सपना ने विडियोज, साईलेंट मेडिटेशन, मूविंग मेडिटेशन, गाईडेड मेडिटेशन के माध्यम से परमात्मा ज्ञान के बारे में अवगत कराया। वही अन्य योगा टीचर्स ने शारीरिक व्यायाम कराया।

त्रिनिडाड में डॉ. हेमलता को अवार्ड

देवराज टीमूल से अवॉर्ड लेतीं बीके डॉ. हेमलता।

शिव आमंत्रण, त्रिनिडाड। त्रिनिडाड में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत उच्च आयोग, संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्रालय तथा त्रिनिडाड और टोबैको सेवाकेन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय उच्च आयोग के उच्च आयुक्त गौरी शंकर गुप्ता, योग सप्ताह आयोजन के अध्यक्ष देवराज टीमूल समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। एनसीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान त्रिनिडाड की संचालिका बीके डॉ. हेमलता को अध्यक्ष देवराज टीमूल ने योग के क्षेत्र में किये गये सराहनीय योगदान के लिए अवार्ड भेंटकर सम्मानित किया।

फ्रैंकफर्ट में स्टॉल्स का आयोजन

शिव आमंत्रण, फ्रैंकफर्ट। जर्मन के फ्रैंकफर्ट में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का कई विजिटर्स ने अवलोकन किया और लाभ लिया। इस मौके पर दृष्टि सेशन भी आयोजित किया गया जिससे लोगों ने कई प्रकार की सुखद अनुभूति की।

कोलंबो में भी राजयोग की शिक्षा

शिव आमंत्रण, कोलंबो। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में हाई कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस विशाल स्तर पर मनाया गया। इस मौके पर 10 अलग-अलग संस्थाओं के लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और कॉमेंट्री द्वारा योगाभ्यास कराया।

रशिया में राजयोग की जानकारी

रशिया के योगा कार्यक्रम में शामिल लोग।

शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग। रशिया के सेंट पीटर्सबर्ग सेवाकेंद्र पर अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू से ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके राजू तथा ज्ञानामृत पत्रिका के चीफ एडिटर बीके आत्म प्रकाश समेत रशिया के 14 शहरों में संस्था से जुड़े 70 लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर बीके राजू ने कहा कि पूरे विश्व को स्वस्थ एवं सदभावनापूर्ण जीवन की आवश्यकता है। मनुष्य का स्वभाव, शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता है। इसे राजयोग के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

न्यूयॉर्क में गूंजा योग का संदेश

न्यूयॉर्क योगा कार्यक्रम में शामिल लोग।

शिव आमंत्रण, न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पीस विलेज रिट्रीट सेंटर में अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस मनाया गया। जिसमें हठ योग प्रशिक्षक निकॉले सैनसोने ने योग के बारे में बताते हुए कहा कि यह योग मन आत्मा और शरीर के बारे में है जो कि श्वांस के माध्यम से जुड़ता है। बीके चिरया ने कहा कि योग की विविधता होने के बावजूद भी इसका उद्देश्य आंतरिक ध्यान, जागरूकता और शांति है। इस दौरान सभी को शारीरिक योगा भी कराया गया।

शरीर पर पड़ता है विचारों का प्रभाव

शिव आमंत्रण, लंदन। लंदन के ग्लोबल कॉर्पोरेशन हाउस में इंटरनेशनल योगा डे पर एशियंट आर्ट ऑफ राजयोग विषय पर मास्टर क्लास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीके जेमिनी, बीके मैथ्यू अर्ल ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के बारे में बताया तथा इंडियन हाई कमीशन के प्रतिनिधि राजन ने यूके में योग को बढ़ावा देने के लिए इंडियन हाई कमिशन की भूमिका के बारे में जानकारी दी। वहीं ज्ञान सरोवर की निदेशिका बीके डॉ. निर्मला और बीके जयंति ने मन

Peace of Mind
डीडी फ्री डिश
DD डायरेक्ट फ्री दूरदर्शन के DTH पर GOD TV में और dishtv पर GODTV चैनल पर भी फ्री पीस ऑफ़ माइंड चैनल शाम को 7.30 pm से 10.00pm तक देख सकते है अधिक जानकारी के संपर्क करे...
Cell: 8104 777111/ 941415 1111

पीस ऑफ माइंड चैनल विश्व का पहला ऐसा चैनल है जो मनुष्य के प्रत्येक परिस्थितियों में काम आता है। सुख दु:ख में समान रहने और मानसिक शांति एवं सदभाव बनाये रखने का ईश्वर द्वारा दिया गया अनोखा उपहार है। इसे निम्न प्लेटफार्म पर देख सकते है कही भी, कभी भी।

Tata Sky -192
Airtel - 686
Videocon -497

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month
सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307310 आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही मो. 8769830661, 9413384884
shivamantran@bkivv.org, bkkomal@gmail.com